

---

# Mandalakritam Agni Stotram

——  
मन्डपालकृतं अग्निस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Mandalakritam Agni Stotram

File name : mandapAlakRRitaMagnistotram.itx

Category : deities\_misc, mahAbhArata, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : mahAbhArata | Adiparva | adhyAya 220/22-29||

Latest update : October 18, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 18, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Mandapalakritam Agni Stotram

---

### मन्दपालकृतं अग्निस्तोत्रम्

---



मन्दपाल उवाच ।

त्वमग्ने सर्वदेवानां भुषं त्वमसि उव्यवाट् ।

त्वमन्तः सर्वभूतानां गूढश्चरसि पावक ॥ २२ ॥

त्वामेकमाहुः क्वयस्त्वामाहुस्त्रिविधं पुनः ।

त्वामष्टधा कल्पयित्वा यज्ञवाहुमकल्पयन् ॥ २३ ॥

त्वया सृष्टमिदं विश्वं वदन्ति परमर्षयः ।

त्वद्गते हि जगत्कृत्स्नं सद्यो न स्याद्दुताशन ॥ २४ ॥

तुभ्यं कृत्वा नमो विप्राः स्वकर्मविजितां गतिम् ।

गच्छन्ति सः पत्नीभिः सुतैरपि य शशास्त्रतीम् ॥ २५ ॥

त्वामग्ने जलदानाहुः भे विषक्तांसविद्युतः ।

दडन्ति सर्वभूतानि त्वत्तो निष्कम्ब्य डायनाः ॥ २६ ॥

जातवेदस्तवैवेयं विश्वसृष्टिर्भडाद्युते ।

तवैव कर्म विहितं भूतं सर्वं यरायरम् ॥ २७ ॥

त्वयाऽऽपो विहिताः पूर्वं त्वयि सर्वमिदं जगत् ।

त्वयि उव्यं च क्वयं च यथावत्सम्प्रतिष्ठितम् ॥ २८ ॥

अग्ने त्वमेव ज्वलनस्त्वं धाता त्वं भृदस्पतिः ।

त्वमश्विनौ यमौ मित्रः सोमस्त्वमसि यानिलः ॥ २९ ॥

ॐति मडाभारते आदिपर्वणि २२० अध्यायान्तर्गतं

मडाभारत । आदिपर्व । अध्याय २२०/२२-२९ ॥

mahAbhArata . Adiparva . adhyAya 220/22-29..

Proofread by PSA Easwaran

——  
*Mandapalakritam Agni Stotram*  
pdf was typeset on October 18, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

